

11. आई.आई.टी. एवं एन.आई.टी. हेतु प्रवेश परीक्षा

कैरियर की दृष्टि से इंजीनियरिंग की पढ़ाई आज के विद्यार्थियों की पहली पसंद है। रोजगार के असीम संभावना से युक्त इंजीनियरिंग कोर्सस निःसंदेह युवाओं के लिए अत्यंत लाभकारी है। वर्तमान में भारत में इंजीनियरिंग के स्नातक स्तर पर प्रवेश हेतु दस लाख से भी अधिक सीटें उपलब्ध हैं जिसमें देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रतिष्ठान जैसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों सहित विभिन्न राज्यों के शासकीय एवं निजी इंजीनियरिंग कॉलेज शामिल हैं। देश के इंजीनियरिंग प्रतिष्ठानों में प्रवेश के लिए वर्ष 2013 से भारत सरकार ने एकल परीक्षा प्रणाली को लागू किया है जिसके अन्तर्गत पूर्व के वर्षों में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित किये जाने वाले संयुक्त प्रवेश परीक्षा (IIT JEE) एवं अखिल भारतीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा (AIEEE) को समेकित कर एकल परीक्षा जिसका नाम **संयुक्त प्रवेश परीक्षा (मैन एवं एडवांस)** आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा के द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों एवं अन्य केन्द्रीय संस्थानों में प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण की जाती है।

इंजीनियरिंग में प्रवेश हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IITs), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, (NITs) भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों (IIITs), अन्य केन्द्रीय संस्थानों (centrally funded institutions) तथा कई राज्यों के शासकीय इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए वर्ष 2013 से एक नयी प्रवेश परीक्षा प्रणाली प्रारंभ की गई है। यह परीक्षा दो खण्डों में होती है :-

1. **Joint entrance exam (main)** राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, (NITs) भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों (IIITs), अन्य केन्द्रीय संस्थानों (centrally funded institutions) तथा कई राज्यों के शासकीय इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा।
2. टीप :- भारत सरकार द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार वर्ष 2018-19 से यह परीक्षा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा प्रतिवर्ष 02 बार जनवरी/फरवरी एवं अप्रैल/मई माह में आयोजित की जायेगी। अब यह परीक्षा सिर्फ ऑनलाईन ही आयोजित होगी। इन दोनों परीक्षाओं में विद्यार्थी द्वारा प्राप्त अधिकतम अंक को ही Joint entrance exam (advance) या अन्य प्रवेश के लिए गणना में लिया जायेगा।
2. **Joint entrance exam (advance)** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IITs) में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा।

Joint entrance exam (main)

इस परीक्षा के माध्यम से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (NITs), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों (IITs), अन्य केन्द्रीय संस्थानों (centrally funded institutions) तथा कई राज्यों के शासकीय इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश मिलता है। साथ ही यह परीक्षा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IITs) के लिए आयोजित **Joint entrance exam (advanced)** परीक्षा के लिए प्रथम अर्हताकारी परीक्षा होता है। इस परीक्षा संबंधी कतिपय महत्वपूर्ण जानकारी निम्नानुसार है :-

1. अर्हता, आयु सीमा एवं अवसरों की संख्या :

इस परीक्षा हेतु आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से गणित, भौतिकी अनिवार्य विषयों के अतिरिक्त रसायन, बायोटेक्नोलॉजी, कम्प्यूटर साइंस अथवा जीवविज्ञान में से किसी एक विषय के साथ हायर सेकण्डरी (12वीं या समकक्ष) परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। ये आवेदक ही इस परीक्षा के लिए पात्र होंगे जिन्होंने अर्हताकारी परीक्षा उसी वर्ष अथवा अधिकतम दो वर्षों पूर्व उत्तीर्ण की है। उदाहरणार्थ 2025 में प्रवेश परीक्षा में प्रविष्ट होने के लिए वही आवेदक पात्र होंगे जिन्होंने 2025, 2024 अथवा 2023 में हायर सेकण्डरी उत्तीर्ण की हो। 2022 अथवा पूर्व वर्षों के उत्तीर्ण आवेदक इस परीक्षा हेतु पात्र नहीं होंगे। इस परीक्षा हेतु अवसरों की अधिकतम संख्या 06 (प्रतिवर्ष 02 अवसर के अनुसार) है। परीक्षा हेतु आवेदक की आयु उक्त वर्ष के प्रथम अक्टूबर को 25 वर्ष की अधिकतम सीमा से कम होनी चाहिए।

- विद्यार्थी का आधार कार्ड होना अनिवार्य है। ऑन लाईन आवेदन करते समय उसमें अपना आधार नम्बर का उल्लेख करना होता है।
- विद्यार्थी को 12वीं कक्षा में कम से कम 45 प्रतिशत अंक (अनु.जाति एवं अनु.जनजाति के लिए 40 प्रतिशत अंक) प्राप्त करना अनिवार्य है।

3. परीक्षा की योजना :

यह परीक्षा दो प्रश्न पत्रों पर आधारित एक बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रकृति की होती है। यह परीक्षा CBT मोड पर ऑनलाईन आयोजित की जाती है। प्रश्न पत्र गणित, भौतिकी एवं रसायन विषयों के प्रश्नों पर आधारित होती है जो 3 घंटों की होती है। इस प्रश्न पत्र में 03 विषयों के 30-30 प्रश्न होते हैं। इन 30 प्रश्नों में 20 प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकार के होते हैं जबकि 10 प्रश्न Numerical Value Type के होते हैं जिनमें से किन्हीं 05 प्रश्नों का उत्तर देना होता है। बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्नों में गलत उत्तर पर नकारात्मक अंक दिये जाते हैं, जबकि Numerical Value Type के प्रश्नों में नकारात्मक मूल्यांकन नहीं किया जाता है। यह परीक्षा 300 अंकों की होती है। प्रथम प्रश्न पत्र की परीक्षा के आधार पर इंजीनियरिंग कॉलेजों के बी.ई एवं बी.टेक पाठ्यक्रमों में प्रवेश मिलता है।

JEE Main का द्वितीय प्रश्न पत्र उन छात्रों के लिए होता है जो पर आर्किटेक्चर पाठ्यक्रम B.Arch या प्लानिंग पाठ्यक्रम B.Planning प्रवेश प्राप्त करना चाहता है। इस प्रश्न पत्र में आर्किटेक्चर और प्लानिंग से संबंधित प्रश्न होते हैं। यह प्रश्न पत्र 02 भागों में विभाजित होता है।

1. **JEE Main** पेपर 02 (A) (B.Arch के लिए) इसमें 03 भाग होते हैं— गणित 30 प्रश्न (इन 30 प्रश्नों में 20 प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकार के होते हैं जबकि 10 प्रश्न Numerical Value Type के होते हैं जिनमें से किन्हीं 05 प्रश्नों का उत्तर देना होता है। बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्नों में गलत उत्तर पर नकारात्मक अंक दिये जाते हैं, जबकि Numerical Value Type के प्रश्नों में नकारात्मक मूल्यांकन नहीं किया जाता है।) एप्टीट्यूड टेस्ट (50 बहुविकल्पीय प्रश्न 200 अंक) तथा ड्राइंग टेस्ट (02 प्रश्न 100 अंक) के प्रश्न सम्मिलित होते हैं। इस परीक्षा की अवधि 03 घंटे होती है तथा यह 400 अंक का होता है।
2. **JEE Main** पेपर 02 (B) (B.Planning के लिए) इसमें 03 भाग होते हैं— गणित 30 प्रश्न (इन 30 प्रश्नों में 20 प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकार के होते हैं जबकि 10 प्रश्न Numerical Value Type के होते हैं जिनमें से किन्हीं 05 प्रश्नों का उत्तर देना होता है। बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्नों में गलत उत्तर पर नकारात्मक अंक दिये जाते हैं, जबकि Numerical Value Type के प्रश्नों में नकारात्मक मूल्यांकन नहीं किया जाता है।) एप्टीट्यूड टेस्ट (50 बहुविकल्पीय प्रश्न 200 अंक) तथा प्लानिंग आधारित टेस्ट (02 प्रश्न 100 अंक) के प्रश्न सम्मिलित होते हैं। इस परीक्षा की अवधि 03 घंटा होती है तथा यह 400 अंक का होता है।

एक आवेदक अपनी इच्छानुसार दोनों प्रश्न पत्रों में अथवा किसी एक प्रश्न पत्र में प्रविष्ट होकर निर्धारित कोर्स हेतु अर्हता अर्जित कर सकता है।

वर्ष 2024 में भारत में स्थित कुल 31 एनआईटी में लगभग 23 हजार सीटे उपलब्ध हैं। 26 IIIT में लगभग 07 हजार सीटे उपलब्ध हैं। इसके अलावा GFTI में लगभग 05 हजार सीटे उपलब्ध हैं। इन सभी संस्थानों में प्रवेश **JEE Main** के प्राप्तांक के आधार पर होता है। छत्तीसगढ़ में NIT रायपुर में प्रथम वर्ष के लिये लगभग 1100 सीटे हैं, जिनमें से 50 प्रतिशत सीटे छत्तीसगढ़ के निवासियों के लिये आरक्षित हैं। नया रायपुर स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी IIIT में 230 सीटे उपलब्ध हैं, यहां भी छत्तीसगढ़ के निवासियों के लिये नियमानुसार सीटे आरक्षित हैं।

Joint entrance exam (advance)

प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IITs) एवं इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स, धनबाद में प्रवेश हेतु वर्ष 2013 से नई पद्धति की संयुक्त प्रवेश परीक्षा लागू की गई है। यह परीक्षा Joint entrance Exam (Main) परीक्षा का द्वितीय स्तर होगा। इस परीक्षा के माध्यम से दिल्ली, खड़गपुर, पर्वाराम्बे, मद्रास, कानपुर, गोवाहाटी, रुड़की, रोपड़, भुवनेश्वर, इंदौर, पटना, गांधीनगर, मंडी, जोधपुर, हैदराबाद याणारसी, जम्मू, भिलाई(रायपुर), पणजी, धारवाड़, तिरुपति एवं पालघाट स्थित 23 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IITs) एवं धनबाद स्थित इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स की लगभग 17,760 सीटें प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हैं। इस परीक्षा संबंधी जानकारियां निम्नानुसार हैं :-

1. पात्रता एवं अवसरों की संख्या :

इस परीक्षा हेतु Joint entrance exam (main) के संवर्गानुसार प्रथम 250000 आवेदक पात्र होते हैं। जिनमें अनारक्षित वर्ग से (40.50 प्रतिशत), अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन कीमी लेयर) से (27 प्रतिशत), अजा वर्ग से (7.5 प्रतिशत) तथा अजजा वर्ग के 15 प्रतिशत, EWS (10 प्रतिशत) आवेदक शामिल हैं। दिव्यांगजनों को 05 प्रतिशत क्षैतिज

आरक्षण दिया जाता है। इस शर्त के साथ इस परीक्षा में प्रविष्टि हेतु यह भी आवश्यक होगा कि आवेदक संबंधित अर्हताकारी परीक्षा में अपने बोर्ड में प्रथम 20 परसेन्टाइल में भी स्थान रखें या 12 वीं परीक्षा 75 प्रतिशत अंकों से (ST/SC के लिए 65 प्रतिशत) अंकों से उत्तीर्ण हो। वो पहले से किसी आईआईटी में प्रवेश नहीं लिया हो तथा इसकी आयु 25 वर्ष से कम हो। (ST/SC एवं दिव्यांग लोगों के लिए आयु में 05 वर्ष की छूट) आवेदक को अधिकतम 03 अवसर इस परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु प्राप्त होते। वर्ष 2025 की परीक्षा में वे ही आवेदक पात्र होंगे जिन्होंने 12 वी की परीक्षा 2023, 2024 अथवा 2025 में उत्तीर्ण की हो इसके पूर्व के आवेदक इस परीक्षा में प्रवेश हेतु अपात्र होंगे।

1. परीक्षा की योजना :

इस परीक्षा में 180-180 अंक के दो प्रश्न पत्र होते हैं जो कि गणित, भौतिकी एवं रसायन विषयों के प्रश्नों पर आधारित होती है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 03 घंटों के होते हैं। प्रत्येक प्रश्न पत्र में 51-51 प्रश्न (प्रत्येक विषय के 17-17 प्रश्न) होते हैं। प्रत्येक प्रश्न पत्र में 03 खंड होते हैं जो बहुविकल्पीय प्रश्न, Multiple Select Questions तथा Non Negative Integer प्रकार के होते हैं। बहुविकल्पीय प्रश्नों में गलत उत्तर पर नकारात्मक अंक का प्रावधान होता है।

3. मेरिट एवं शैकिंग का निर्धारण :

इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अनारक्षित वर्ग के आवेदक को प्रत्येक विषय में न्यूनतम 10 प्रतिशत अंकों के साथ समस्त विषयों में न्यूनतम 35 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदक हेतु पात्रता प्रति विषय 9 प्रतिशत एवं कुल 31.5 प्रतिशत अंक है जबकि अजा एवं अजजा वर्ग एवं दिव्यांगजनों हेतु प्रति विषय 5 प्रतिशत एवं कुल 17.5 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। माइनिंग कोर्स हेतु लड़किया पात्र नहीं होती है।

इंजीनियरिंग के अन्य प्रवेश परीक्षाओं की जानकारी –

भारत सरकार द्वारा इंजीनियरिंग की एकल प्रवेश परीक्षा की ओर प्रयास के बावजूद इंजीनियरिंग की कई अन्य परीक्षाएं भी अस्तित्व में हैं, जिसमें कई राज्य सरकारों द्वारा अपने राज्य के इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए प्रवेश परीक्षाएँ, कई प्रतिष्ठित निजी संस्थानों जैसे बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी पिलानी की प्रवेश परीक्षा (BITSAT), वेलोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी वेलोर तमिलनाडू की प्रवेश परीक्षा (VITEEE), कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी भुवनेश्वर की प्रवेश परीक्षा (KIITEE) इत्यादि उल्लेखनीय हैं। इनमें से अधिकतर प्रवेश परीक्षाएं प्रतिवर्ष माह अप्रैल/मई में आयोजित की जाती हैं जिसके विज्ञापन राष्ट्रीय समाचार माध्यमों में माह जनवरी से मार्च तक प्रकाशित होते हैं।

संपर्क – इंजीनियरिंग परीक्षाओं के संबंध में अधिक जानकारी <http://jeevadv.iitd.ac.in> से www.cgdteraipur.com से प्राप्त कर सकते हैं।

जब तक आप किनारे को छोड़ कर नहीं जायेंगे तब तक आप समुद्र पार नहीं कर सकते।

You can never cross the ocean until you have courage to lose sight of the shore.

- Christopher Columbus